एनसीईआरटी की नकली किताबों की हो रही बिक्री

Author: Jagran Publish Date: Tue, 19 Apr 2022 05:45 PM (IST)Updated Date: Tue, 19 Apr 2022 05:45 PM (IST)

दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की नकली (पायरेटेड) प्रतियां ऐसे समय में बाजार में बेची जा रही हैं, जब नए शैक्षणिक वर्ष के लिए विशेष कक्षाएं शुरू हो गई हैं। कोई पुस्तक विक्रेता किसी भी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक को छपी कीमत से अधिक पर नहीं बेच सकता, लेकिन क्षेत्र के अधिकांश पुस्तक विक्रेताओं के पास उपलब्ध नकली पुस्तकों को सिलाई या जिल्द लगा कर 30 से 50 रुपये अतिरिक्त लागत वसूली जाती है।

कुछ समय पहले कक्षा 10 के एक छात्र ने एक पुस्तक को लेकर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम फरीदकोट से संपर्क किया था, क्योंकि किताब गलतियों और अशुद्धियों से भरी थी। इस शिकायत के जवाब में, एनसीईआरटी के अधिकारियों ने दावा किया कि परिषद् की पुस्तकों में किसी भी त्रुटि या गलत मुद्रण की कोई गुंजाइश नहीं है। इसने दावा किया कि छात्र को बेची गई किताब नकली (पायरेटेड) थी। एनसीईआरटी ने यह भी कहा कि छात्रों को पुस्तक का बिल लेना चाहिए। पुस्तक विक्रेता पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए, फोरम ने कहा कि दुकानदारों में बिल जारी न करना आम बात है। इस मामले में छात्र को बेची गई पुस्तक में कीमत 180 रुपये छपी थी, लेकिन पुस्तक विक्रेता ने 200 रुपये लेते हुए कहा कि इसे एक जिल्द के साथ बेचा गया था।

असली किताबें मिलती ही नहीं

पाइरेटेड एनसीईआरटी पुस्तकों की बिक्री का एक रैकेट है। अधिकांश पुस्तक विक्रेता उच्च लाभ के कारण इस काम में लिप्त हैं। इनमें से अधिकांश पुस्तकें लुधियाना और जालंधर छपती हैं। असली किताबों की बिक्री पर जहां एक विक्रेता को करीब पांच फीसद कमीशन मिलता है, वहीं पायरेटेड बुक बेचने पर यह कमीशन 20 से 30 फीसद ज्यादा होता है। एनसीईआरटी छात्रों को किताब खरीदने से पहले वाटर मार्क की जांच करने पर जोर देता है, लेकिन छात्रों के साथ समस्या यह है कि असली एनसीईआरटी किताबें शायद ही कभी उपलब्ध होती हैं।

फरीदकोट के एक निजी स्कूल में विज्ञान के शिक्षक ने अपना नाम न बताने की शर्त पर कहा कि चूंकि एनसीईआरटी पुस्तकों की पीडीएफ फाइल परिषद की आधिकारिक साइट पर उपलब्ध है, इसलिए मैंने अपने छात्रों से कहा है कि वे बाजार से 'पायरेटेड' किताबें खरीदने के बजाय इन पीडीएफ फाइलों से प्रिट ले लें। इनसेट

किताबों की प्रामाणिकता की भी जांची जाएगी : डीईओ

फरीदकोट के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) शिवराज कपूर ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पुस्तक विक्रेताओं द्वारा पुस्तकों की बिक्री में अधिक शुल्क

नहीं लिया जाए। इस निरीक्षण दल के कार्य में पुस्तकों की प्रामाणिकता की जांच करने जैसा कोई 'कार्य' नहीं है। उन्होंने कहा कि कल से हम अपनी टीम के सदस्यों से किताबों की प्रामाणिकता की भी जांच करने को कहेंगे।

Source: https://www.jagran.com/punjab/faridkot-pirated-books-are-in-market-22641268.html